ब्रह्मार्पणं ब्रह्म हविः

Brahmarpanam Brahma Havih • श्लोक • देवनागरी

ब्रह्मार्पणं ब्रह्म हविर्ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्।
ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं ब्रह्मकर्मसमाधिना॥

रचना / पाठ-परंपरा: श्रीमद्भगवद्गीता ४.२४
पारंपरिक पाठ; वर्तनी और पाठांतर संभव हैं।